PRACTICES	HYBRID.MUSKMELON (SEAMONS MUSKAN 75)	व्यवस्थापन	हाइब्रिड .मस्कमेलन (सिमोन्स मुस्कान 75)
Field Sanitation	Remove residues of previous crops, weeds, old vines and diseased/damaged plant material before sowing. Keep the boundries of field clean to reduce pest and disease carry-over.	**खेत की सफाई**	बुवाई से पहले पिछली फसलों के अवशेष, खरपतवार, पुरानी बेलें और रोगग्रस्त/क्षतिग्रस्त पौधों को हटा दें। कीटों और रोगों के प्रसार को कम करने के लिए खेत की सीमाओं को साफ रखें।
Soil requirement	Sandy loam to loam soil, well-drained, fertile, with good organic matter. Ideal pH-range: around 6.0-7.0. Avoid waterlogging, as muskmelon roots are shallow and sensitive to excess moisture.	**मिट्टी की आवश्यकता**	बलुई दोमट से दोमट मिट्टी, अच्छी जल निकासी वाली, उपजाऊ और पर्याप्त जैविक पदार्थ युक्त। आदर्श पीएच सीमा: लगभग 6.0-7.0। जलभराव से बचें, क्योंकि खरबूजे की जड़ें उथली होती हैं और अधिक नमी के प्रति संवेदनशील होती हैं।
Soil Testing	Conduct soil testing at least once every 2–3 years for EC, pH, OC, and macro-micro nutrients, and apply fertilizers based on test results.	**मृदा परीक्षण**	मिट्टी की ईसी, पीएच, ओईसी और वृहद-सूक्ष्म पोषक तत्वों की जांच कम से कम हर 2-3 साल में एक बार करें और परीक्षण परिणामों के आधार पर उर्वरक डालें।
Climate Suitability	Muskmelon is a warm season crop. Optimum temperature: 25–35 °C. Avoid frost and high humidity. Dry, hot weather improves fruit sweetness.	**जलवायु उपयुक्तता**	खरबूजा ग्रीष्म ऋतु की फसल है। इसके लिए इष्टतम तापमान 25-35 डिग्री सेल्सियस है। पाले और अत्यधिक आर्द्रता से बचें। शुष्क और गर्म मौसम फल की मिठास को बढ़ाता है।
Land preparation	Deep ploughing 2–3 times followed by harrowing for fine tilth. Incorporate 8–10 ton FYM or compost per acre. Create ridges/raised beds for better drainage, especially in heavier soils.	**भूमि की तैयारी**	दो-तीन बार गहरी जुताई करें और फिर महीन मिट्टी के लिए हैरोइंग करें। प्रति एकड़ 8-10 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट मिलाएं। बेहतर जल निकासी के लिए मेड़ें/ऊँची क्यारियाँ बनाएँ, विशेषकर भारी मिट्टी में।
Sowing Time	Spring-Summer Crop: Nov-Feb, Off-season: Sept–Oct	**बुवाई का समय**	वसंत-ग्रीष्मकालीन फसल: नवंबर-फरवरी, अप-सीज़न: सितंबर-अक्टूबर
Seed rate & Spacing	Seed rate: 350-400 gm/acre (open field). Sowing: In ridges or raised beds, 1–2 cm deep. Pre-irrigate soil for better germination. Spacing: 2 m × 0.5-0.75 m	**बीज दर और दूरी**	बीज की दर: 350-400 ग्राम/एकड़ (खुले खेत में)। बुवाई: मेड़ों या उठी हुई क्यारियों में, 1-2 सेमी गहराई में। बेहतर अंकुरण के लिए मिट्टी को पहले से सींच दें। दूरी: 2 मीटर × 0.5-0.75 मीटर
Seed Treatment	Treat seeds with Carbendazim @ 2 gm/kg seed, can be followed by Trichoderma viride @ 4 gm/kg seed before sowing.	**बीज उपचार**	बुवाई से पहले बीजों को 2 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से कार्बेंडाज़िम से उपचारित करें, इसके बाद 4 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से ट्राइकोडर्मा विरिडे का प्रयोग किया जा सकता है।
Weed Management	Maintain weed-free field during first 3–4 weeks. Use shallow hoeing, intercultural operations, or mulching. Two to three weedings may be required.	**खरपतवार प्रबंधन**	पहले 3-4 हफ्तों तक खेत को खरपतवार मुक्त रखें। हल्की निराई, अंतर-फसली प्रक्रियाओं या मल्चिंग का प्रयोग करें। दो से तीन बार निराई की आवश्यकता हो सकती है।
Fertilizer Management	FYM or Compost: 8-10 t/acre before sowing. Chemical fertilizers: Urea ~110 kg, SSP ~155 kg, MOP ~40 kg. Apply full P & K + 1/3 N at sowing; remaining N during vine growth and at fruit set. Foliar spray: 19:19:19 + micronutrients @ 2–3 g/L at 10–15 DAS; 0:0:50 + Hexaconazole @ 25 ml/15 L at 55 DAS for faster development and disease protection.	**उर्वरक प्रबंधन**	गोबर की खाद या कम्पोस्ट: बुवाई से पहले 8-10 टन प्रति एकड़। रासायनिक उर्वरक: यूरिया ~110 कि.ग्रा., एसएसपी ~155 कि.ग्रा., एमओपी ~40 कि.ग्रा.। बुवाई के समय पूर्ण फास्फोरस और पोटेशियम + 1/3 नाइट्रोजन डालें; शेष नाइट्रोजन बेल की वृद्धि के दौरान और फल लगने के समय डालें। पर्णीय छिड़काव: 19:19:19 + सूक्ष्म पोषक तत्व @ 2-3 ग्राम/लीटर, 10-15 दिन की अवधि में; 0:0:50 + हेक्साकोनाजोल @ 25 मिली/15 लीटर, 55 दिन की अवधि में, तेजी से विकास और रोग सुरक्षा के लिए।
Irrigation Management	Uniform irrigation; avoid water stress and waterlogging. In summer: once a week or more in sandy soils. Reduce/stop irrigation 3–6 days before harvest to improve sweetness.	**सिंचाई प्रबंधन**	नियमित सिंचाई करें; पानी की कमी और जलभराव से बचें। गर्मी के मौसम में: रेतीली मिट्टी में सप्ताह में एक बार या उससे अधिक बार सिंचाई करें। मिठास बढ़ाने के लिए कटाई से 3-6 दिन पहले सिंचाई कम करें या बंद कर दें।
Pest Management	Aphids & Thrips: Thiamethoxam @ 5 gm/15 L water. Leaf Miner: Abamectin @ 6 ml/15 L. Fruit Fly: Remove infested fruits; Neem seed kernel extract 50 gm/L water; repeat Malathion + Jaggery solution 3–4 times at 10 day intervals.	**कीट प्रबंधन**	एफिड्स और थ्रिप्स: थियामेथोक्सम @ 5 ग्राम/15 लीटर पानी। लीफ माइनर: एबामेक्टिन @ 6 मिली/15 लीटर। फल मक्खी: संक्रमित फलों को हटा दें; नीम के बीज का अर्क 50 ग्राम/लीटर पानी में घोलें; मैलाथियन + गुड़ के घोल को 10 दिन के अंतराल पर 3-4 बार दोहराएं।
Disease Management	Powdery Mildew: Water-soluble Sulphur 20 g/10 L, 2–3 sprays at 10-day intervals. Downy Mildew: Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP @ 2 g/L. Sudden Wilt: Avoid waterlogging; Trichoderma viride 1 kg + 50 kg FYM; spray systemic + contact fungicide when needed.	**रोग प्रबंधन**	पाउडरी मिल्ड्यू: जल में घुलनशील सल्फर 20 ग्राम/10 लीटर, 10 दिन के अंतराल पर 2-3 स्प्रे। डाउनी मिल्ड्यू: मेटालेक्सिल 8% + मैनकोजेब 64% WP @ 2 ग्राम/लीटर। सडन विल्ट: जलभराव से बचें; ट्राइकोडर्मा विरिडे 1 कि.ग्रा. + 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद; आवश्यकता पड़ने पर सिस्टेमिक + कॉन्टैक्ट फफूंदनाशक का स्प्रे करें।
Harvesting & Yield	Half-slip stage (local market) or mature-green stage (long transport). Muskmelon gives average 14-15 ton fruits per acre.	**कटाई और उपज**	अर्ध-पौधे की अवस्था (स्थानीय बाजार) या परिपक्व-हरे रंग की अवस्था (लंबी दूरी के परिवहन के लिए)। खरबूजे की एक एकड़ में औसतन 14-15 टन उपज होती है।
Post-Harvest Management & Storage	Store the fruits in cool place after harvest. Grade by size and quality. Store and transport the fruits under recommended temperature.	**फसल कटाई के बाद का प्रबंधन और भंडारण**	कटाई के बाद फलों को ठंडी जगह पर रखें। आकार और गुणवत्ता के अनुसार छाँटें। फलों को अनुशंसित तापमान पर ही संग्रहित और परिवहन करें।
Disclaimer	These recommendations are based on SAUs, government agencies, and trial centers. Actual results may vary depending on soil type, climate, variety, and crop management practices.	**अस्वीकरण**	ये सिफ़ारिशें एसएयू, सरकारी एजेंसियों और परीक्षण केंद्रों पर आधारित हैं। वास्तविक परिणाम मिट्टी के प्रकार, जलवायु, किस्म और फसल प्रबंधन पद्धतियों के आधार पर भिन्न हो सकते हैं।

PRACTICES	વ્યવસ્થાપન	હાઈબ્રિડ.મસ્કમેલન (સિમોન્સ મુસ્કાન 75)	पद्धती	हाइब्रिड .मस्कमेलन (सिमोन्स मुस्कान 75)
Field Sanitation	**ખેતરની સ્વચ્છતા**	વાવણી પહેલાં પાછલા પાકના અવશેષો, નીંદણ, જૂની વેલા અને રોગગ્રસ્ત/ક્ષતિગ્રસ્ત છોડની સામગ્રી દૂર કરો. જીવાત અને રોગના ફેલાવાને ઘટાડવા માટે ખેતરની સીમાઓ સ્વચ્છ રાખો.	**फील्ड स्वच्छता**	पेरणी करण्यापूर्वी मागील पिकांचे अवशेष, तण, जुन्या वेली आणि रोगग्रस्त/खराब झालेले वनस्पतींचे अवशेष काढून टाका. कीड आणि रोगांचा प्रसार कमी करण्यासाठी शेताच्या सीमा स्वच्छ ठेवा.
Soil requirement	**માટીની જરૂરિયાત**	રેતાળ લોમથી લોમ જમીન, સારા પાણીના નિતારવાળી, ફળદ્રુપ, સારા કાર્બનિક પદાર્થો સાથે. આદર્શ pH-શ્રેણી: લગભગ 6.0-7.0. પાણી ભરાવાનું ટાળો, કારણ કે તરબૂચના મૂળ છીછરા અને વધુ પડતા ભેજ પ્રત્યે સંવેદનશીલ હોય છે.	**मातीची आवश्यकता**	वालुकामय चिकणमाती ते चिकणमाती प्रकारची जमीन, उत्तम निचरा होणारी, सुपीक आणि चांगल्या सेंद्रिय पदार्थांनी युक्त. आदर्श pH-श्रेणी: सुमारे ६.०-७.०. जमिनीत पाणी साचू देऊ नका, कारण खरबुजाची मुळे उथळ असतात आणि अतिरिक्त ओलाव्यासाठी संवेदनशील असतात.
Soil Testing	**માટી પરીક્ષણ**	EC, pH, OC અને મેક્રો-માઇક્રો પોષક તત્વો માટે ઓછામાં ઓછા દર 2-3 વર્ષે એક વાર માટી પરીક્ષણ કરો અને પરીક્ષણના પરિણામોના આધારે ખાતરો લાગુ કરો.	**माती परीक्षण**	दर २-३ वर्षांतून किमान एकदा EC, pH, OC आणि स्थूल-सूक्ष्म पोषक तत्वांसाठी माती परीक्षण करा आणि परीक्षणाच्या निकालांनुसार खते वापरा.
Climate Suitability	**આબોહવા યોગ્યતા**	તરબૂચ ગરમ ઋતુનો પાક છે. શ્રેષ્ઠ તાપમાન: 25-35 °C. હિમ અને ઉચ્ચ ભેજ ટાળો. સૂકું, ગરમ હવામાન ફળની મીઠાશ સુધારે છે.	**हवामान अनुकूलता**	खरबूज हे उष्ण हवामानातील पीक आहे. आदर्श तापमान: २५–३५° C. दंव आणि जास्त आर्द्रता टाळावी. कोरड्या, उष्ण हवामानामुळे फळांचा गोडवा वाढतो.
Land preparation	**જમીનની તૈયારી**	2-3 વાર ઊંડી ખેડ કરો અને પછી સારી ખેડ માટે ખોદકામ કરો. પ્રતિ એકર 8-10 ટન ખાતર અથવા ખાતર ઉમેરો. સારી ડ્રેનેજ માટે, ખાસ કરીને ભારે જમીનમાં, પથારી/ઉભા પથારી બનાવો.	**जमिनीची तयारी**	२-३ वेळा खोल नांगरणी करून त्यानंतर भुसभुशीत जमिनीसाठी कुळवणी करा. प्रति एकर ८-१० टन शेणखत किंवा कंपोस्ट खत जमिनीत मिसळा. चांगल्या निचऱ्यासाठी, विशेषतः जड जमिनीत, सरी/उंच वाफे तयार करा.
Sowing Time	**વાવણી સમય**	વસંત-ઉનાળો પાક: નવેમ્બર-ફેબ્રુઆરી, ઓફ-સીઝન: સપ્ટેમ્બર-ઓક્ટોબર	**पेरणीची वेळ**	वसंत-उन्हाळी पीक: नोव्हेंबर-फेब्रुवारी, बिगर-हंगाम: सप्टेंबर–ऑक्टोबर
Seed rate & Spacing	**બીજ દર અને અંતર**	બીજ દર: ૩૫૦-૪૦૦ ગ્રામ/એકર (ખુલ્લું મેદાન). વાવણી: ૧-૨ સેમી ઊંડા, પહાડી જમીનમાં અથવા ઊંચા પથારીમાં. સારા અંકુરણ માટે જમીનને પૂર્વ-સિંચાઈ આપો. અંતર: ૨ મીટર × ૦.૫-૦.૭૫ મીટર	**बियाणे दर आणि अंतर**	बियाणे दर: ३५०-४०० ग्रॅम/एकर (मोकळ्या शेतात). पेरणी: सरींमध्ये किंवा उंच वाफ्यांमध्ये, १-२ सेंमी खोल. चांगल्या उगवणीसाठी जमिनीला पूर्व-सिंचन करा. दोन पेरांमधील अंतर: २ मी × ०.५-०.७५ मी
Seed Treatment	**બીજ માવજત**	વાવણી પહેલાં બીજને કાર્બેન્ડાઝીમ @ 2 ગ્રામ/કિલો બીજ સાથે માવજત કરો, ત્યારબાદ ટ્રાઇકોડર્મા વિરાઇડ @ 4 ગ્રામ/કિલો બીજ દ્વારા વાવણી કરી શકાય છે.	**बियाणे प्रक्रिया**	पेरणीपूर्वी बियाण्यांवर कार्बेंडाझिम (२ ग्रॅम प्रति किलो बियाणे) प्रक्रिया करावी आणि त्यानंतर ट्रायकोडर्मा व्हिराइड (४ ग्रॅम प्रति किलो बियाणे) प्रक्रिया करावी.
Weed Management	**નીંદણ વ્યવસ્થાપન**	પહેલા ૩-૪ અઠવાડિયા દરમિયાન ખેતરને નીંદણમુક્ત રાખો. છીછરા ખોદકામ, આંતર-વાવેતર કામગીરી અથવા મલ્ચિંગનો ઉપયોગ કરો. બે થી ત્રણ નીંદણની જરૂર પડી શકે છે.	**तण व्यवस्थापन**	पहिल्या ३-४ आठवड्यांत शेत तणमुक्त ठेवा. उथळ खुरपणी, आंतरमशागत किंवा आच्छादनाचा वापर करा. दोन ते तीन वेळा तण काढण्याची आवश्यकता भासू शकते.
Fertilizer Management	**ખાતર વ્યવસ્થાપન**	ખાતર અથવા ખાતર: વાવણી પહેલાં 8-10 ટન/એકર. રાસાયણિક ખાતરો: યુરિયા ~110 કિગ્રા, SSP ~155 કિગ્રા, MOP ~40 કિગ્રા. વાવણી વખતે સંપૂર્ણ ફોસ્ફરસ અને કેલ્શિયમ + 1/3 નાઇટ્રોજન; વેલાના વિકાસ દરમિયાન અને ફળના સેટિંગ સમયે બાકી રહેલ નાઇટ્રોજન. ઝડપી વિકાસ અને રોગ સામે રક્ષણ માટે 10-15 દિવસના તાપમાને 19:19:19 + સૂક્ષ્મ પોષકતત્વો @ 2-3 ગ્રામ/લિટર; 0:0:50 + હેક્સાકોનાઝોલ @ 25 મિલી/15 લિટર.	**खत व्यवस्थापन**	शेणखत किंवा कंपोस्ट खत: पेरणीपूर्वी ८-१० टन प्रति एकर. रासायनिक खते: युरिया ~११० किलो, एसएसपी ~१५५ किलो, एमओपी ~४० किलो. पेरणीच्या वेळी संपूर्ण फॉस्फरस (P) आणि पोटॅशियम (K) + १/३ नायट्रोजन (N) द्या; उर्वरित नायट्रोजन वेलीच्या वाढीदरम्यान आणि फळधारणेच्या वेळी द्या. पर्ण फवारणी: १९:१९:१९ + सूक्ष्म पोषक तत्वे @ २-३ ग्रॅम/लिटर पेरणीनंतर १०-१५ दिवसांनी; जलद वाढीसाठी आणि रोग संरक्षणासाठी ०:०:५० + हेक्साकोनाझोल @ २५ मिली/१५ लिटर पेरणीनंतर ५५ दिवसांनी.
Irrigation Management	**સિંચાઈ વ્યવસ્થાપન**	એકસરખી સિંચાઈ; પાણીનો તાણ અને પાણી ભરાવાનું ટાળો. ઉનાળામાં: રેતાળ જમીનમાં અઠવાડિયામાં એક વાર કે તેથી વધુ વાર. મીઠાશ સુધારવા માટે લણણીના 3-6 દિવસ પહેલા સિંચાઈ ઓછી કરો/બંધ કરો.	**सिंचन व्यवस्थापन**	एकसमान सिंचन; पाण्याचा ताण आणि पाणथळपणा टाळा. उन्हाळ्यात: वालुकामय जमिनीत आठवड्यातून एकदा किंवा अधिक वेळा. गोडवा वाढवण्यासाठी काढणीच्या ३-६ दिवस आधी सिंचन कमी करा/थांबवा.
Pest Management	**જીવાત વ્યવસ્થાપન**	મોલો અને થ્રિપ્સ: થાયોમેથોક્સમ @ 5 ગ્રામ/15 લિટર પાણી. લીફ માઈનર: એબામેક્ટીન @ 6 મિલી/15 લિટર. ફળની માખી: ઉપદ્રવિત ફળો દૂર કરો; લીમડાના બીજનો અર્ક 50 ગ્રામ/લિટર પાણી; મેલાથિઓન + ગોળનું દ્રાવણ 10 દિવસના અંતરાલ પર 3-4 વખત પુનરાવર્તન કરો.	**कीड व्यवस्थापन**	मावा आणि थ्रिप्स: थियामेथॉक्सम @ ५ ग्रॅम/१५ लिटर पाण्यात. पान पोखरणारी कीड: अबामेक्टिन @ ६ मिली/१५ लिटर पाण्यात. फळमाशी: कीडग्रस्त फळे काढून टाका; कडुलिंबाच्या बियांच्या गराचा अर्क ५० ग्रॅम/लिटर पाण्यात; मॅलॅथिऑन + गुळाचे द्रावण १० दिवसांच्या अंतराने ३-४ वेळा पुन्हा द्या.
Disease Management	**રોગ વ્યવસ્થાપન**	પાવડરી ફૂગ: પાણીમાં દ્રાવ્ય સલ્ફર 20 ગ્રામ/10 લિટર, 10 દિવસના અંતરે 2-3 છંટકાવ. ડાઉની ફૂગ: મેટાલેક્સિલ 8% + મેન્કોઝેબ 64% WP @ 2 ગ્રામ/લિ. અચાનક કરમાવું: પાણી ભરાવાનું ટાળો; ટ્રાઇકોડર્મા વિરાઇડ 1 કિલો + 50 કિલો ખાતર; જરૂર પડ્યે પ્રણાલીગત + સંપર્ક ફૂગનાશકનો છંટકાવ કરો.	**रोग व्यवस्थापन**	भुरी रोग: पाण्यात विरघळणारे गंधक २० ग्रॅम/१० लिटर, १० दिवसांच्या अंतराने २-३ फवारण्या. डाऊनी मिल्ड्यू: मेटॅलॅक्सिल ८% + मॅनकोझेब ६४% डब्ल्यूपी @ २ ग्रॅम/लिटर. आकस्मिक मर रोग: पाणी साचू देऊ नका; ट्रायकोडर्मा व्हिराइड १ किलो + ५० किलो शेणखत; आवश्यकतेनुसार प्रणालीगत + स्पर्शजन्य बुरशीनाशकाची फवारणी करा.
Harvesting & Yield	**લણણી અને ઉપજ**	અર્ધ-સ્લિપ અવસ્થા (સ્થાનિક બજાર) અથવા પરિપક્વ-લીલો અવસ્થા (લાંબા પરિવહન). તરબૂચ પ્રતિ એકર સરેરાશ ૧૪-૧૫ ટન ફળ આપે છે.	**कापणी आणि उत्पन्न**	अर्ध-रोपावस्थेत (स्थानिक बाजारपेठेसाठी) किंवा पक्व-कच्च्या अवस्थेत (लांबच्या वाहतुकीसाठी). खरबुजाचे प्रति एकर सरासरी १४-१५ टन फळ उत्पादन मिळते.
Post-Harvest Management & Storage	**લણણી પછીનું સંચાલન અને સંગ્રહ**	કાપણી પછી ફળોને ઠંડી જગ્યાએ સંગ્રહિત કરો. કદ અને ગુણવત્તા પ્રમાણે ગ્રેડ કરો. ભલામણ કરેલ તાપમાને ફળોનો સંગ્રહ અને પરિવહન કરો.	**कापणीनंतरचे व्यवस्थापन आणि साठवणूक**	काढणीनंतर फळे थंड जागी साठवा. आकार आणि गुणवत्तेनुसार प्रतवारी करा. फळांची साठवणूक आणि वाहतूक शिफारस केलेल्या तापमानातच करा.
Disclaimer	**અસ્વીકરણ**	આ ભલામણો SAU, સરકારી એજન્સીઓ અને ટ્રાયલ સેન્ટરો પર આધારિત છે. વાસ્તવિક પરિણામો જમીનના પ્રકાર, આબોહવા, વિવિધતા અને પાક વ્યવસ્થાપન પદ્ધતિઓના આધારે બદલાઈ શકે છે.	**अस्वीकरण**	या शिफारसी एसएयू, सरकारी संस्था आणि चाचणी केंद्रांवर आधारित आहेत. प्रत्यक्ष परिणाम मातीचा प्रकार, हवामान, वाण आणि पीक व्यवस्थापन पद्धतींनुसार भिन्न असू शकतात.

PRACTICES	நடைமுறைகள்	கலப்பினம் .மஸ்க்மெலன் (சீமன்ஸ் முஸ்கன் – 75)
Field Sanitation	**களை சுகாதாரம்**	விதைப்பதற்கு முன், முந்தைய பயிர்களின் எச்சங்கள், களைகள், பழைய கொடிகள் மற்றும் நோய் தாக்கிய/சேதமடைந்த தாவரப் பொருட்களை அகற்றவும். பூச்சி மற்றும் நோய் பரவுவதைக் குறைக்க, வயலின் வரப்புகளைச் சுத்தமாகப் பராமரிக்கவும்.
Soil requirement	**மண் தேவை**	மணல் கலந்த வண்டல் மண் முதல் வண்டல் மண் வரை, நல்ல வடிகால் வசதியுள்ள, வளமான, மற்றும் சிறந்த கரிமச்சத்துக்கள் கொண்ட மண். உகந்த pH அளவு: சுமார் 6.0-7.0. முலாம்பழத்தின் வேர்கள் ஆழமற்றவை மற்றும் அதிகப்படியான ஈரப்பதத்தால் எளிதில் பாதிப்படையக்கூடியவை என்பதால், நீர் தேங்குவதைத் தவிர்க்கவும்.
Soil Testing	**மண் பரிசோதனை**	EC, pH, OC மற்றும் பேரூட்டச்சத்துக்கள், நுண்ணூட்டச்சத்துக்கள் ஆகியவற்றுக்காக, குறைந்தது 2-3 ஆண்டுகளுக்கு ஒருமுறை மண் பரிசோதனை செய்து, பரிசோதனை முடிவுகளின் அடிப்படையில் உரமிடவும்.
Climate Suitability	**காலநிலை பொருத்தம்**	முலாம்பழம் ஒரு வெப்பப் பருவப் பயிர். உகந்த வெப்பநிலை: 25–35 °C. பனி மற்றும் அதிக ஈரப்பதத்தைத் தவிர்க்கவும். வறண்ட, வெப்பமான வானிலை பழத்தின் இனிப்புச் சுவையை மேம்படுத்துகிறது.
Land preparation	**நிலப் பரப்பு**	2–3 முறை ஆழமாக உழுது, பின்னர் பரம்படித்து நல்ல பதத்திற்கு கொண்டு வரவும். ஒரு ஏக்கருக்கு 8–10 டன் தொழு உரம் அல்லது மக்கிய உரத்தைச் சேர்க்கவும். குறிப்பாகக் கனமான மண்ணில், சிறந்த வடிகாலுக்காக வரப்புகள்/மேட்டுப் பாத்திகளை உருவாக்கவும்.
Sowing Time	**விதைப்பு நேரம்**	வசந்த-கோடைக்காலப் பயிர்: நவம்பர்-பிப்ரவரி, பருவமற்ற காலம்: செப்டம்பர்–அக்டோபர்
Seed rate & Spacing	**விதை விகிதம் மற்றும் இடைவெளி**	விதை அளவு: ஏக்கருக்கு 350-400 கிராம் (திறந்தவெளி). விதைத்தல்: வரப்புகள் அல்லது மேட்டுப் பாத்திகளில், 1–2 செ.மீ. ஆழத்தில். சிறந்த முளைப்புக்காக மண்ணுக்கு முன்கூட்டியே நீர்ப்பாசனம் செய்யவும். இடைவெளி: 2 மீ × 0.5-0.75 மீ
Seed Treatment	**விதை சிகிச்சை**	விதைப்பதற்கு முன், ஒரு கிலோ விதைக்கு 2 கிராம் என்ற அளவில் கார்பென்டாசிம் மருந்தைக் கொண்டு விதைகளுக்கு நேர்த்தி செய்து, அதனைத் தொடர்ந்து ஒரு கிலோ விதைக்கு 4 கிராம் என்ற அளவில் டிரைகோடெர்மா விரிடி மருந்தையும் இடலாம்.
Weed Management	**களை மேலாண்மை**	முதல் 3–4 வாரங்களுக்கு வயலைக் களைகள் இல்லாமல் பராமரிக்கவும். ஆழமற்ற கொத்தி எடுத்தல், இடைப்பயிர் உழவு அல்லது மூடாக்கு இடுதல் போன்ற முறைகளைப் பயன்படுத்தவும். இரண்டு முதல் மூன்று முறை களை எடுக்க வேண்டியிருக்கலாம்.
Fertilizer Management	**உர மேலாண்மை**	தொழு உரம் அல்லது மக்கிய உரம்: விதைப்பதற்கு முன் ஏக்கருக்கு 8-10 டன். இரசாயன உரங்கள்: யூரியா ~110 கிலோ, SSP ~155 கிலோ, MOP ~40 கிலோ. விதைக்கும்போது முழுமையான பாஸ்பரஸ் & பொட்டாசியம் + 1/3 பங்கு நைட்ரஜன் இடவும்; மீதமுள்ள நைட்ரஜனை கொடியின் வளர்ச்சி மற்றும் காய்க்கும் பருவத்தில் இடவும். இலைவழித் தெளிப்பு: 10-15 நாட்களுக்கு ஒருமுறை 19:19:19 + நுண்ணூட்டச்சத்துக்கள் @ 2–3 கிராம்/லிட்டர்; விரைவான வளர்ச்சி மற்றும் நோய்ப் பாதுகாப்பிற்காக 55 நாட்களுக்கு ஒருமுறை 0:0:50 + ஹெக்ஸாகோனசோல் @ 25 மிலி/15 லிட்டர்.
Irrigation Management	**நீர்ப்பாசன மேலாண்மை**	சீரான நீர்ப்பாசனம்; நீர் பற்றாக்குறை மற்றும் நீர் தேக்கத்தைத் தவிர்க்கவும். கோடை காலத்தில்: மணல் மண்ணில் வாரத்திற்கு ஒரு முறை அல்லது அதற்கு மேல். இனிப்புத்தன்மையை மேம்படுத்த, அறுவடைக்கு 3–6 நாட்களுக்கு முன்பு நீர்ப்பாசனத்தைக் குறைக்கவும்/நிறுத்தவும்.
Pest Management	**பூச்சி மேலாண்மை**	அசுவினி மற்றும் திரிப்ஸ் பூச்சிகள்: தியாமெத்தாக்ஸாம் 5 கிராம்/15 லிட்டர் தண்ணீர். இலைப்புழு: அபாமெக்டின் 6 மில்லி/15 லிட்டர் தண்ணீர். பழ ஈ: பாதிக்கப்பட்ட பழங்களை அகற்றவும்; வேப்ப விதைச் சாறு 50 கிராம்/லிட்டர் தண்ணீர்; மாலத்தியான் + வெல்லக் கரைசலை 10 நாட்கள் இடைவெளியில் 3–4 முறை மீண்டும் செய்யவும்.
Disease Management	**நோய் மேலாண்மை**	தூள் பூஞ்சணம்: நீரில் கரையக்கூடிய கந்தகம் 20 கிராம்/10 லிட்டர், 10 நாட்கள் இடைவெளியில் 2–3 முறை தெளிக்கவும். அடிப்பூஞ்சணம்: மெட்டலாக்ஸில் 8% + மான்கோசெப் 64% WP @ 2 கிராம்/லிட்டர். திடீர் வாடல்: நீர் தேங்குவதைத் தவிர்க்கவும்; டிரைகோடெர்மா விரிடே 1 கிலோ + 50 கிலோ தொழு உரம்; தேவைப்படும்போது உட்புகும் மற்றும் தொடு பூஞ்சணக்கொல்லியைத் தெளிக்கவும்.
Harvesting & Yield	**அறுவடை மற்றும் மகசூல்**	பாதி வாடிய நிலை (உள்ளூர் சந்தை) அல்லது முதிர்ந்த பச்சை நிலை (நீண்ட தூரப் போக்குவரத்து). முலாம்பழம் ஒரு ஏக்கருக்கு சராசரியாக 14-15 டன் பழங்களைத் தருகிறது.
Post-Harvest Management & Storage	**அறுவடைக்குப் பிந்தைய மேலாண்மை மற்றும் சேமிப்பு**	பழங்களைப் பறித்த பிறகு குளிர்ச்சியான இடத்தில் சேமிக்கவும். அளவு மற்றும் தரத்தின் அடிப்படையில் தரம் பிரிக்கவும். பரிந்துரைக்கப்பட்ட வெப்பநிலையில் பழங்களைச் சேமித்து வைக்கவும் மற்றும் கொண்டு செல்லவும்.
Disclaimer	**மறுப்பு**	இந்தப் பரிந்துரைகள் சிறப்புப் பயன்பாட்டு அலகுகள் (SAU-கள்), அரசு நிறுவனங்கள் மற்றும் சோதனை மையங்களின் அடிப்படையில் அமைந்துள்ளன. உண்மையான முடிவுகள் மண் வகை, காலநிலை, பயிர் இரகம் மற்றும் பயிர் மேலாண்மை நடைமுறைகளைப் பொறுத்து மாறுபடலாம்.

PRACTICES	అభ్యాసాలు	హైబ్రిడ్.ముస్క్మెలోన్ (సీమన్స్ ముస్కాన్ – 75)	ಅಭ್ಯಾಸಗಳು	ಹೈಬ್ರಿಡ್.ಮಸ್ಕ್ಮೆಲೋನ್ (ಸೀಮನ್ಸ್ ಮುಸ್ಕಾನ್ – 75)
Field Sanitation	**క్షేత్ర పారిశుధ్యం**	విత్తనాలు నాటే ముందు గత పంటల అవశేషాలు, కలుపు మొక్కలు, పాత తీగలు మరియు వ్యాధి సోకిన/దెబ్బతిన్న మొక్కలను తొలగించండి. తెగుళ్లు మరియు వ్యాధులు వ్యాపించకుండా ఉండేందుకు పొలం సరిహద్దులను శుభ్రంగా ఉంచండి.	**ಕ್ಷೇತ್ರ ನೈರ್ಮಲ್ಯ**	ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಹಿಂದಿನ ಬೆಳೆಗಳ ಅವಶೇಷಗಳು, ಕಳೆಗಳು, ಹಳೆಯ ಬಳ್ಳಿಗಳು ಮತ್ತು ರೋಗಪೀಡಿತ/ಹಾನಿಗೊಳಗಾದ ಸಸ್ಯ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಹಾಕಿ. ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ಹರಡುವಿಕೆಯನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಲು ಹೊಲದ ಗಡಿಗಳನ್ನು ಸ್ವಚ್ಛವಾಗಿಡಿ.
Soil requirement	**నేల అవసరం**	ఇసుకతో కూడిన బంకమట్టి నేల, నీరు నిలవనిది, సారవంతమైనది, మంచి సేంద్రియ పదార్థం కలది. అనువైన pH పరిధి: సుమారు 6.0-7.0. నీరు నిలవకుండా చూసుకోండి, ఎందుకంటే కర్బూజా వేర్లు లోతుగా ఉండవు మరియు అధిక తేమకు సున్నితంగా ఉంటాయి.	**ಮಣ್ಣಿನ ಅವಶ್ಯಕತೆ**	ಮರಳು ಮಿಶ್ರಿತ ಲೋಮ್ ನಿಂದ ಲೋಮ್ ಮಣ್ಣು, ಚೆನ್ನಾಗಿ ನೀರು ಬಸಿದು ಹೋಗುವ, ಫಲವತ್ತಾದ, ಉತ್ತಮ ಸಾವಯವ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ಹೊಂದಿರುತ್ತದೆ. ಸೂಕ್ತವಾದ pH ಶ್ರೇಣಿ: ಸುಮಾರು 6.0-7.0. ಕಲ್ಲಂಗಡಿ ಬೇರುಗಳು ಆಳವಿಲ್ಲದವು ಮತ್ತು ಹೆಚ್ಚುವರಿ ತೇವಾಂಶಕ್ಕೆ ಸೂಕ್ಷ್ಮವಾಗಿರುವುದರಿಂದ ನೀರು ನಿಲ್ಲುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ.
Soil Testing	**నేల పరీక్ష**	EC, pH, OC మరియు స్థూల-సూక్ష్మ పోషకాల కోసం ప్రతి 2–3 సంవత్సరాలకు కనీసం ఒకసారి నేల పరీక్షలు నిర్వహించి, పరీక్ష ఫలితాల ఆధారంగా ఎరువులను వేయండి.	**ಮಣ್ಣು ಪರೀಕ್ಷೆ**	EC, pH, OC ಮತ್ತು ಮ್ಯಾಕ್ರೋ-ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳಿಗಾಗಿ ಕನಿಷ್ಠ 2-3 ವರ್ಷಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ಮಣ್ಣಿನ ಪರೀಕ್ಷೆಯನ್ನು ನಡೆಸಿ, ಮತ್ತು ಪರೀಕ್ಷಾ ಫಲಿತಾಂಶಗಳ ಆಧಾರದ ಮೇಲೆ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ.
Climate Suitability	**వాతావరణ అనుకూలత**	కర్బూజా వెచ్చని కాలపు పంట. అనువైన ఉష్ణోగ్రత: 25–35 °C. మంచు మరియు అధిక తేమను నివారించండి. పొడి, వేడి వాతావరణం పండు తీపిని మెరుగుపరుస్తుంది.	**ಹವಾಮಾನ ಸೂಕ್ತತೆ**	ಕಲ್ಲಂಗಡಿ ಬೆಚ್ಚಗಿನ ಋತುವಿನ ಬೆಳೆ. ಗರಿಷ್ಠ ತಾಪಮಾನ: 25–35 °C. ಹಿಮ ಮತ್ತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಆರ್ದ್ರತೆಯನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ. ಶುಷ್ಕ, ಬಿಸಿ ವಾತಾವರಣವು ಹಣ್ಣಿನ ಸಿಹಿಯನ್ನು ಸುಧಾರಿಸುತ್ತದೆ.
Land preparation	**భూమి తయారీ**	2–3 సార్లు లోతుగా దున్ని, ఆ తర్వాత మెత్తటి దుక్కి కోసం గునపంతో చదును చేయాలి. ఎకరానికి 8–10 టన్నుల పశువుల ఎరువు లేదా కంపోస్టును నేలలో కలపాలి. ముఖ్యంగా బరువైన నేలల్లో, నీరు నిలవకుండా ఉండేందుకు గట్లు/ఎత్తైన మడులను తయారు చేయాలి.	**ಭೂಮಿ ತಯಾರಿಕೆ**	2-3 ಬಾರಿ ಆಳವಾಗಿ ಉಳುಮೆ ಮಾಡಿ ನಂತರ ಉತ್ತಮವಾದ ಉಳುಮೆಗಾಗಿ ಹಳ್ಳ ಕೊಯ್ಯಿರಿ. ಎಕರೆಗೆ 8-10 ಟನ್ ಕೊಟ್ಟಿಗೆ ಗೊಬ್ಬರ ಅಥವಾ ಕಾಂಪೋಸ್ಟ್ ಸೇರಿಸಿ. ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಭಾರವಾದ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮ ಒಳಚರಂಡಿಗಾಗಿ ಏರುಪೇರುಗಳು/ಬೆಳೆದ ಹಾಸಿಗೆಗಳನ್ನು ರಚಿಸಿ.
Sowing Time	**విత్తే సమయం**	వసంత-వేసవి పంట: నవంబర్-ఫిబ్రవరి, పంట లేని కాలం: సెప్టెంబర్–అక్టోబర్	**ಬಿತ್ತನೆ ಸಮಯ**	ವಸಂತ-ಬೇಸಿಗೆ ಬೆಳೆ: ನವೆಂಬರ್-ಫೆಬ್ರವರಿ, ಆಫ್-ಸೀಸನ್: ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್-ಅಕ್ಟೋಬರ್
Seed rate & Spacing	**విత్తన రేటు మరియు అంతరం**	విత్తన మోతాదు: ఎకరానికి 350-400 గ్రాములు (బహిరంగ పొలం). విత్తే విధానం: గట్లపైన లేదా ఎత్తైన మడులలో, 1–2 సెం.మీ. లోతులో. మంచి మొలకల కోసం నేలను ముందుగా తడపండి. నాటాల మధ్య దూరం: 2 మీ × 0.5-0.75 మీ.	**ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ ಮತ್ತು ಅಂತರ**	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ: ಎಕರೆಗೆ 350-400 ಗ್ರಾಂ (ತೆರೆದ ಮೈದಾನ). ಬಿತ್ತನೆ: 1-2 ಸೆಂ.ಮೀ ಆಳದ ರೇಖೆಗಳಲ್ಲಿ ಅಥವಾ ಎತ್ತರದ ಹಾಸಿಗೆಗಳಲ್ಲಿ ಬಿತ್ತನೆ. ಉತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯಲು ಮಣ್ಣನ್ನು ಮೊದಲೇ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಅಂತರ: 2 ಮೀ × 0.5-0.75 ಮೀ.
Seed Treatment	**విత్తన శుద్ధి**	విత్తే ముందు, విత్తనాలకు కిలో విత్తనానికి 2 గ్రాముల చొప్పున కార్బెండజిమ్‌తో శుద్ధి చేసి, ఆ తర్వాత కిలో విత్తనానికి 4 గ్రాముల చొప్పున ట్రైకోడెర్మా విరిడేను వాడవచ్చు.	**ಬೀಜೋಪಚಾರ**	ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಕಾರ್ಬೆಂಡಜಿಮ್ @ 2 ಗ್ರಾಂ / ಕೆಜಿ ಬೀಜದೊಂದಿಗೆ ಸಂಸ್ಕರಿಸಿ, ನಂತರ ಟ್ರೈಕೋಡರ್ಮಾ ವಿರಿಡೆ @ 4 ಗ್ರಾಂ / ಕೆಜಿ ಬೀಜದೊಂದಿಗೆ ಸಂಸ್ಕರಿಸಬಹುದು.
Weed Management	**కలుపు నిర్వహణ**	మొదటి 3–4 వారాల పాటు పొలంలో కలుపు లేకుండా చూసుకోండి. పైపైన గునపంతో తవ్వడం, అంతర సాగు పనులు లేదా మల్చింగ్ వంటి పద్ధతులను ఉపయోగించండి. రెండు నుండి మూడు సార్లు కలుపు తీయవలసి రావచ్చు.	**ಕಳೆ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ಮೊದಲ 3-4 ವಾರಗಳಲ್ಲಿ ಕಳೆ ರಹಿತ ಹೊಲವನ್ನು ಕಾಪಾಡಿಕೊಳ್ಳಿ. ಆಳವಿಲ್ಲದ ಹೊಳೆತ್ತುವಿಕೆ, ಅಂತರ ಕೃಷಿ ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು ಅಥವಾ ಹಸಿಗೊಬ್ಬರ ಬಳಸಿ. ಎರಡರಿಂದ ಮೂರು ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು ಬೇಕಾಗಬಹುದು.
Fertilizer Management	**ఎరువుల నిర్వహణ**	పశువుల ఎరువు లేదా కంపోస్ట్: విత్తే ముందు ఎకరానికి 8-10 టన్నులు. రసాయన ఎరువులు: యూరియా ~110 కిలోలు, ఎస్.ఎస్.పి ~155 కిలోలు, ఎం.ఓ.పి ~40 కిలోలు. విత్తేటప్పుడు పూర్తి భాస్వరం & పొటాషియం + 1/3 నత్రజని వేయండి; మిగిలిన నత్రజనిని తీగ పెరుగుదల సమయంలో మరియు కాయలు కాసే దశలో వేయండి. ఆకులపై పిచికారీ: విత్తిన 10–15 రోజుల తర్వాత 19:19:19 + సూక్ష్మపోషకాలు లీటరుకు 2–3 గ్రాముల చొప్పున; వేగవంతమైన అభివృద్ధి మరియు వ్యాధుల నుండి రక్షణ కోసం, విత్తిన 55 రోజుల తర్వాత 0:0:50 + హెక్సాకోనజోల్ 15 లీటర్లకు 25 మి.లీ. చొప్పున.	**ರಸಗೊಬ್ಬರ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ಗೊಬ್ಬರ ಅಥವಾ ಕಾಂಪೋಸ್ಟ್: ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಎಕರೆಗೆ 8-10 ಟನ್. ರಾಸಾಯನಿಕ ಗೊಬ್ಬರಗಳು: ಯೂರಿಯಾ ~110 ಕೆಜಿ, SSP ~155 ಕೆಜಿ, MOP ~40 ಕೆಜಿ. ಬಿತ್ತನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಪೂರ್ಣ P & K + 1/3 N ಅನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ; ಬಳ್ಳಿ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಹಣ್ಣಿನ ರಚನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಉಳಿದ N. ಎಲೆಗಳ ಮೇಲೆ ಸಿಂಪಡಿಸಿ: 10–15 DAS ನಲ್ಲಿ 19:19:19 + ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು @ 2–3 ಗ್ರಾಂ/ಲೀ; ವೇಗದ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಮತ್ತು ರೋಗ ರಕ್ಷಣೆಗಾಗಿ 0:0:50 + ಹೆಕ್ಸಾಕೊನಜೋಲ್ @ 25 ಮಿಲಿ/15 ಲೀ 55 DAS ನಲ್ಲಿ.
Irrigation Management	**నీటిపారుదల నిర్వహణ**	ఏకరీతిగా నీటిపారుదల చేయండి; నీటి ఒత్తిడి మరియు నీరు నిలిచిపోకుండా నివారించండి. వేసవిలో: ఇసుక నేలల్లో వారానికి ఒకసారి లేదా అంతకంటే ఎక్కువ సార్లు. తీపిని మెరుగుపరచడానికి, పంట కోతకు 3–6 రోజుల ముందు నీటిపారుదలని తగ్గించండి/ఆపండి.	**ನೀರಾವರಿ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ಏಕರೂಪದ ನೀರಾವರಿ; ನೀರಿನ ಕೊರತೆ ಮತ್ತು ನೀರಿನ ನಿಶ್ಚಲತೆಯನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ. ಬೇಸಿಗೆಯಲ್ಲಿ: ಮರಳು ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ವಾರಕ್ಕೊಮ್ಮೆ ಅಥವಾ ಅದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಬಾರಿ. ಸಿಹಿಯನ್ನು ಸುಧಾರಿಸಲು ಕೊಯ್ಲಿಗೆ 3–6 ದಿನಗಳ ಮೊದಲು ನೀರಾವರಿಯನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಿ/ನಿಲ್ಲಿಸಿ.
Pest Management	**తెగుళ్ల నిర్వహణ**	పేనుబంక మరియు త్రిప్స్: థియామెథాక్సామ్ @ 5 గ్రా/15 లీటర్ల నీటికి. ఆకు గనుల పురుగు: అబామెక్టిన్ @ 6 మి.లీ/15 లీటర్లకు. పండు ఈగ: ఆశించిన పండ్లను తొలగించండి; వేప గింజల గుజ్జు 50 గ్రా/లీటరు నీటికి; మలాథియాన్ + బెల్లం ద్రావణాన్ని 10 రోజుల వ్యవధిలో 3–4 సార్లు పునరావృతం చేయండి.	**ಕೀಟ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ಗಿಡಹೇನುಗಳು ಮತ್ತು ಥ್ರಿಪ್ಸ್: ಥಿಯಾಮೆಥಾಕ್ಸಮ್ @ 5 ಗ್ರಾಂ/15 ಲೀ ನೀರು. ಎಲೆ ಕೊರೆಯುವ ಕೀಟ: ಅಬಾಮೆಕ್ಟಿನ್ @ 6 ಮಿಲಿ/15 ಲೀ. ಹಣ್ಣಿನ ನೊಣ: ಬಾಧೆಗೊಳಗಾದ ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಹಾಕಿ; ಬೇವಿನ ಬೀಜದ ಸಾರ 50 ಗ್ರಾಂ/ಲೀ ನೀರು; 10 ದಿನಗಳ ಮಧ್ಯಂತರದಲ್ಲಿ 3-4 ಬಾರಿ ಮಾಲಾಥಿಯಾನ್ + ಬೆಲ್ಲದ ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಪುನರಾವರ್ತಿಸಿ.
Disease Management	**వ్యాధి నిర్వహణ**	బూజు తెగులు: నీటిలో కరిగే గంధకం 20 గ్రా/10 లీటరు, 10 రోజుల వ్యవధిలో 2–3 సార్లు పిచికారీ చేయాలి. బూజు తెగులు: మెటలాక్సిల్ 8% + మాంకోజెబ్ 64% WP @ 2 గ్రా/లీటరు. ఆకస్మిక వాడిపోవడం: నీరు నిలిచిపోకుండా నివారించండి; ట్రైకోడెర్మా విరిడే 1 కిలో + 50 కిలోల పశువుల ఎరువు; అవసరమైనప్పుడు సిస్టమిక్ + కాంటాక్ట్ శిలీంద్రనాశకాన్ని పిచికారీ చేయండి.	**ರೋಗ ನಿರ್ವಹಣೆ**	ಪುಡಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಕರಗುವ ಗಂಧಕ 20 ಗ್ರಾಂ/10 ಲೀ, 10 ದಿನಗಳ ಮಧ್ಯಂತರದಲ್ಲಿ 2-3 ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು. ಡೌನಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: ಮೆಟಾಲಾಕ್ಸಿಲ್ 8% + ಮ್ಯಾಂಕೋಜೆಬ್ 64% WP @ 2 ಗ್ರಾಂ/ಲೀ. ಹಠಾತ್ ಸೊರಗು ರೋಗ: ನೀರು ನಿಲ್ಲುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ; ಟ್ರೈಕೊಡರ್ಮಾ ವಿರಿಡೆ 1 ಕೆಜಿ + 50 ಕೆಜಿ FYM; ಅಗತ್ಯವಿದ್ದಾಗ ವ್ಯವಸ್ಥಿತ + ಸಂಪರ್ಕ ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕವನ್ನು ಸಿಂಪಡಿಸಿ.
Harvesting & Yield	**పంటకోత & దిగుబడి**	సగం-జారే దశ (స్థానిక మార్కెట్) లేదా ముదిరిన-పచ్చని దశ (సుదూర రవాణా). కర్బూజా ఎకరానికి సగటున 14-15 టన్నుల కాయలను ఇస్తుంది.	**ಕೊಯ್ಲು ಮತ್ತು ಇಳುವರಿ**	ಅರ್ಧ ಜಾರುವ ಹಂತ (ಸ್ಥಳೀಯ ಮಾರುಕಟ್ಟೆ) ಅಥವಾ ಪ್ರೌಢ-ಹಸಿರು ಹಂತ (ದೀರ್ಘ ಸಾಗಣೆ). ಕಲ್ಲಂಗಡಿ ಎಕರೆಗೆ ಸರಾಸರಿ 14-15 ಟನ್ ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ನೀಡುತ್ತದೆ.
Post-Harvest Management & Storage	**పంట కోత అనంతర నిర్వహణ మరియు నిల్వ**	కోత తర్వాత పండ్లను చల్లని ప్రదేశంలో నిల్వ చేయండి. పరిమాణం మరియు నాణ్యతను బట్టి వర్గీకరించండి. పండ్లను సిఫార్సు చేయబడిన ఉష్ణోగ్రత వద్ద నిల్వ చేసి, రవాణా చేయండి.	**ಕೊಯ್ಲಿನ ನಂತರದ ನಿರ್ವಹಣೆ ಮತ್ತು ಸಂಗ್ರಹಣೆ**	ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿದ ನಂತರ ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ತಂಪಾದ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ. ಗಾತ್ರ ಮತ್ತು ಗುಣಮಟ್ಟಕ್ಕೆ ಅನುಗುಣವಾಗಿ ವಿಂಗಡಿಸಿ. ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಿದ ತಾಪಮಾನದಲ್ಲಿ ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ ಮತ್ತು ಸಾಗಿಸಿ.
Disclaimer	**నిరాకరణ**	ఈ సిఫార్సులు SAUలు, ప్రభుత్వ సంస్థలు మరియు ప్రయోగాత్మక కేంద్రాల ఆధారంగా రూపొందించబడ్డాయి. నేల రకం, వాతావరణం, రకం మరియు పంట నిర్వహణ పద్ధతులను బట్టి వాస్తవ ఫలితాలు మారవచ్చు.	**ಹಕ್ಕುತ್ಯಾಗ**	ಈ ಶಿಫಾರಸುಗಳು SAUಗಳು, ಸರ್ಕಾರಿ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಮತ್ತು ಪ್ರಾಯೋಗಿಕ ಕೇಂದ್ರಗಳನ್ನು ಆಧರಿಸಿವೆ. ಮಣ್ಣಿನ ಪ್ರಕಾರ, ಹವಾಮಾನ, ವೈವಿಧ್ಯತೆ ಮತ್ತು ಬೆಳೆ ನಿರ್ವಹಣಾ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ನಿಜವಾದ ಫಲಿತಾಂಶಗಳು ಬದಲಾಗಬಹುದು.